

यमुना सिटी बनेगी भारत का पीसीबी और इलेक्ट्रॉनिक हब

कोरियाई और भारतीय कंपनियों के संयुक्त उपक्रम समेत अन्य को 116 एकड़ के लिए एलओआई जारी

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण (यीडा) के अंतर्गत आने वाली यमुना सिटी अब इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के क्षेत्र में बड़ा केंद्र बनने जा रही है।

कोरियाई और भारतीय कंपनियों के संयुक्त उपक्रम एसेंट के सर्किट और भारत की

4 हजार करोड़ के निवेश से 3000 लोगों को मिलेगा रोजगार

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता कंपनी अंबर एंटरप्राइजेज को कुल 116 एकड़ भूमि देने के लिए प्राधिकरण ने लेटर ऑफ इंटेन्ट (एलओआई) जारी कर दिया है।

इस परियोजना के तहत लगभग 4000 करोड़ रुपये का निवेश होगा और तीन हजार से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि कंपनियों ने जमीन के लिए प्रस्ताव भेजा

सेक्टर-8 में बनेंगे रेलवे के लिए एसी



अंबर एंटरप्राइजेज को सेक्टर-8 में 100 एकड़ जमीन का एलओआई दिया गया है। यहां कंपनी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़ी विभिन्न वस्तुओं का निर्माण करेगी। इसमें

मोबाइल फोन, टीवी, लैपटॉप, गेमिंग कंसोल जैसे उपकरणों के पार्ट्स, वाशिंग मशीन, फ्रिज, एसी, मिक्सर ग्राइंडर जैसे उपकरणों की मोटर और उनके अन्य घटक तैयार किए जाएंगे। साथ ही भारतीय रेलवे के लिए वातानुकूलन (एसी) उपकरण भी तैयार किए जाएंगे।

आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम

इस निवेश को आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में अहम उपलब्धि माना जा रहा है। अभी तक भारत पीसीबी और इलेक्ट्रॉनिक चिप्स के लिए अन्य देशों पर निर्भर था, लेकिन अब यमुना सिटी में बनने वाले इस केंद्र से भारत की आत्मनिर्भरता में मजबूती आएगी और घरेलू निर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

देश का सबसे बड़ा पीसीबी निर्माण केंद्र बनेगा यमुना सिटी

अंबर ग्रुप के हेड ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स रोहित सिंह ने जानकारी दी कि भारत में इस समय सिर्फ 5 से 10 प्रतिशत प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) का ही निर्माण हो रहा है। जबकि 90 प्रतिशत पीसीबी का आयात किया जाता है। ऐसे में एसेंट के सर्किट द्वारा यमुना सिटी में भारत का पहला और सबसे बड़ा प्रिंटेड सर्किट बोर्ड हब विकसित किया जाएगा। एसेंट के सर्किट को यमुना सिटी के सेक्टर-10 स्थित इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर में 16 एकड़ जमीन दी जा रही है। जहां यह कंपनी पीसीबी निर्माण करेगी। पीसीबी एक पतली हरी प्लेट होती है जिस पर रेजिस्टर, कैपेसिटर, चिप्स आदि इलेक्ट्रॉनिक घटक जोड़े जाते हैं। इसका उपयोग टीवी, मोबाइल, कंप्यूटर, वाशिंग मशीन, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरणों और रक्षा तकनीकों तक में होता है।

था। जिसे स्वीकृति दे दी गई है। सेक्टर-10 और सेक्टर-8 में कुल 116 एकड़

जमीन आवंटित करने के लिए एलओआई जारी हो चुका है। जल्द ही

अंतिम प्रक्रिया के बाद भूमि का वास्तविक आवंटन कर दिया जाएगा।